This question paper contains 4 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper	**: 5124**	**G**
Unique Paper Code	**: 205139**	
Name of Paper	**: Hindi Language (A)**	
Name of Course	**: B.A. (Prog.)**	
Semester	**: I**	
Duration	**: 3 hours**	
Maximum Marks	**: 75**	

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी *प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 9,9

(क) महाभारत के उपरांत भारत और ही हो गया। इसकी दशा के परिवर्तन के साथ ही साथ इसके साहित्य में भी बड़ा परिवर्तन हो गया। उपरांत बौद्धों का जोर हुआ। ये सब वेद और ब्राह्मणों के बड़े विरोधी थे। वेद की भाषा संस्कृत थी इसलिए इन्होंने संस्कृत को बिगाड़ प्राकृत भाषा जारी की। तब से संस्कृत सर्वसाधारण के बोलचाल की भाषा नहीं रही। फिर भी संस्कृत भाषी उस समय बहुत से लोग थे, जिन्होंने इस नई भाषा को प्राकृत नाम दिया जिसके अर्थ ही यह हैं कि प्राकृत अर्थात नीचों की भाषा। अतएव संस्कृत नाटकों में नीच पात्र की भाषा प्राकृत और उत्तम पात्र ब्राह्मण या राजा आदि की भाषा संस्कृत रखी गई है।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक का नाम बताइए।

(ii) प्राकृत भाषा किसकी थी?

(iii) संस्कृत नाटकों में संस्कृत भाषा बोलने वाले पात्र कौन होते थे?

(ख) नए समाज में मीडिया और संचार के माध्यमों की क्या भूमिका है, यह भी इस समाज के मूल्यांकन के लिए एक महत्त्वपूर्ण विषय है। इन माध्यमों ने हमें विश्व से बड़े आकस्मिक और प्रभावशाली ढंग से जोड़ दिया है। इनके द्वारा एकदम खुले समाज की जो सृष्टि हुई है उससे किस प्रकार जूझा जाए, यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है। इस बारे में महात्मा गाँधी का सुझाव सबसे अच्छा था। उनका कहना था, मैं चाहता हूँ मेरे मकान की सभी खिड़कियाँ खुली रहें और बाहर की हवा मेरे घर में स्वच्छंदता के साथ आए। लेकिन मैं यह नहीं चाहता कि यह बाहरी हवा हमें अपनी जड़ों से ही उखाड़ दे। जरूरत है संचार माध्यमों से आने वाली समस्याओं से गांधीजी द्वारा दिए गए निर्देश के अनुकूल निपटने की।

(i) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है? इसके लेखक का नाम लिखिए।

(ii) नए समाज में मीडिया और संचार की क्या भूमिका है?

(iii) संचार माध्यमों में आने वाली समस्याओं से किस प्रकार निपटना चाहिए?

(ग) विश्व के बड़े-बड़े सूचना संजाल तो हमारी आवाज सुनने से रहे; परन्तु हम अपने सूचना तंत्र से तो बात कर सकते हैं और मांग कर सकते हैं कि वह इस अविश्वासी दौर में अधिक सजगता से अपनी विश्वसनीयता स्थापित करे। हमारे सूचना माध्यमों पर जनता का विश्वास अब भी है, क्योंकि इसका अतीत अत्यंत समर्पित रहा है। स्वाधीनता-आंदोलन काल में लोग घोर कष्ट उठाकर, जेलों की सज़ाएँ भुगतकर भी अखबार निकालते थे। वे सत्य को व्यापक जनसमूह तक पहुँचाना चाहते थे, जनमत बनाना चाहते थे; एक जाग्रत और स्वाधीन चेता प्रजा की सृष्टि करना चाहते थे। उनकी वाणी में विश्वास का बल था। इसलिए छोटे-छोटे, खराब कागज़ पर निकले अखबार मशाल की तरह चारों ओर रौशनी फैलाते थे। आजाद भारत में रेडियों की खबरें भी विश्वसनीयता का दर्जा पा चुकी थीं। लेकिन अब बड़े-बड़े अखबार, सुंदर-सुंदर कागजों पर, सुंदर-सुंदर तस्वीरों के साथ निकलते हैं। दूरदर्शन में पचासों चैनल चौबीसों घंटे, कथ्य-अकथ्य उगलते रहते हैं। लेकिन जनमानस पर कोई प्रभाव नहीं छोड़ते, कोई प्रतिक्रिया नहीं जगाते।

(i) प्रस्तुत अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है। इसके लेखक का नाम लिखिए।

(ii) स्वाधीनता आंदोलन काल में अखबारों का प्रमुख स्वर क्या था?

(iii) हमारे सूचना माध्यम जनमानस पर कोई प्रभाव क्यों नहीं छोड़ पाते?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 12

(i) हिन्दी की भूमिका आज बहुत बड़ी हो गई है— अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।
('भाषा बहता नीर' निबंध के आधार पर)

(ii) भारतीय समाज के संदर्भ में लेखक ने किन-किन दृष्टियों का विश्लेषण किया है?
('बदलता भारतीय समाज' निबंध के आधार पर)

(iii) 'अस्मिताओं का संघर्ष' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जातीयता की पृष्ठभूमि में कौनसे तथ्य होते हैं? ('अस्मिताओं का संघर्ष' निबंध के आधार पर)

(iv) 'साहित्य रचना' के संदर्भ में 'आर्यों की शैशवावस्था' से क्या तात्पर्य है?
(साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है)

(v) समाज की दो आधारशिलायें कौनसी हैं? ('समाज और व्यक्ति' निबंध से)

3. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 10

(i) माणिक मुल्ला कहानी किसे मानते थे?

(ii) लिली की चारित्रिक विशेषताओं पर टिप्पणी कीजिए।

(iii) सत्ती की नजर में माणिक मुल्ला कैसे व्यक्ति थे?

(iv) सत्ती अपने पास काले बेंत का चाकू क्यों रखती थी?

(v) माणिक मुल्ला किस वर्ग के प्रतिनिधि हैं?

(vi) सूरज का 'सातवाँ घोड़ा' क्यों महत्वपूर्ण है?

(vii) घोड़े की नाल जमुना के लिए किस प्रकार सौभाग्य-सूचक सिद्ध हुई?

(viii)तन्ना अस्वस्थ क्यों रहने लगा?

अथवा

'यात्राएं' के आधार पर किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(i) मारीशस की मुख्य भाषा क्या है? वहां अन्य कौन-सी भाषाएँ बोली जाती हैं?

(ii) केरल प्रदेश अन्य भारतीय प्रदेशों से किस प्रकार भिन्न है?

(iii) सीयन में इब्सन का घर किन अर्थों में विशिष्ट है?

(iv) 'सपनों के शिखर तक' में क्यों कहा गया कि 'कुमाऊं को कुमाऊं ही बना रहने दें'?

(v) सिगरी उनसत के व्यक्तित्व पर टिप्पणी कीजिए।

(vi) जी० शंकर कुरूप कौन थे?

(vii) 'सपनों के शिखर तक' में लेखक ने नैनीताल को 'छोटी विलायत' क्यों कहा है?

(viii)निकोलस रोरिक की तपोभूमि का क्या नाम था? लेखक ने उस धरती को पवित्र क्यों कहा?

4. किसी **एक** विषय पर टिप्पणी या परिचर्या लिखिए: 8

(i) प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ०डी०आई०)

(ii) विज्ञापन और महिलाएँ

(iii) दिल्ली की मेट्रो सेवा।

5. निम्नलिखित कथांश को संवाद में रूपांतरित कीजिए: 7

वह अभी वंशी के जुआखाने से निकला था। आज उसकी कौड़ी ने साथ न दिया। सोलह परियों के नृत्य में उसका मन न लगा। मन्नू तमोली की दुकान पर बैठते हुए उसने कहा— आज सायत अच्छी नहीं रही, मन्नू!

क्यों मालिक! चिंता किस बात की है। हम लोग किस दिन के लिए हैं। सब आप ही का तो है।

अरे, बुद्धू ही रहे तुम! नन्हकू सिंह जिस दिन किसी से लेकर जुआ खेलने लगे उसी दिन समझना मैं मर गया। तुम जानते नहीं कि मैं जुआ खेलने कब जाता हूँ। जब मेरे पास एक पैसा नहीं रहता, उसी दिन नाल पर पहुँचते ही जिधर बड़ी ढेरी रहती है, उसी की बदता हूँ और वहीं दांव भी आता है। बाबा कीनाराम का यह बरदान है।

तब आज क्यों मालिक?

6. किसी **एक** विषय पर टिप्पणी लिखिए: 8

(i) जनसंचार शिक्षा का माध्यम है?

(ii) आगम-निगम शैली का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

(iii) जीवनी और आत्मकथा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

7. महाविद्यालय में आयोजित सांस्कृतिक समारोह पर एक प्रतिवेदन लिखिए। 6

8. पत्र-लेखन की विशेषताएँ बताइए। 6